Set - B

MT EDUCARE LTD.

QUEST- I (Semi Prelim - I)
2018 - 19

अपठित गद्यांश एवं पद्यांश, गद्य - नेताजी का चश्मा, बालगोबिन भगत, लखनवी अंदाज, मानवीय करुणा की दिव्य चमक, **पद्य** - पद, राम-लक्ष्मण- परशुराम संवाद, सवैया, आत्मकथ्य, उत्साह/अट नहीं रही है, **कृतिका** - माता का अँचल, जाँर्ज पंचम की नाक, **व्याकरण, लेखन**

CBSE - X

Roll No. | | | | | | | |

Code No. 52/1

Series LRH/1

•	खण्डः क	: अपठित बोध	15 अंक
•	खण्डः ख	: व्यावहारिक व्याकरण	15 अंक
•	खण्डः ग	: पाठ्यपुस्तक क्षितिज व पूरक पाठ्पुस्तक कृतिका	30 अंक
•	खण्डः घ	: लेखन	20 अंक

Time allowed **:** 3 hours ***Maximum Marks*** **:** 80

HINDI COURSE - A

General Instructions :

(1) इस प्रश्न- पत्र के चार खंड हैं - क, ख, ग और घ ।

(2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।

(3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए ।

खण्ड: 'क'

Q.1. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए। [8]

लेखक की पुत्री ने एक दिन उससे पूछ लिया कि नाखून क्यों बढ़ते हैं ? अबोध बालिका पर यह प्रश्न कोई महत्वपूर्ण प्रश्न नहीं था । पर लेखक इस पर विचार करते हुए मानव जीवन के विकास एवं उसके मार्ग की बाधाओं पर विचार करने लगा । नाखूनों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए लेखक कहता है कि किसी समय नाखून शिकार एवं जीवनरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक थे । वे उसके प्रथम शस्त्र थे । धीरे-धीरे इसका महत्व कम हो गया है । लोहे के शस्त्रों ने, आज के हथियारों ने नाखून की आवश्यकता को नकार दिया ।

महत्व में कमी होने के बाद भी सृष्टि के आरंभ से आज तक नाखून बढ़ते रहे हैं, प्रकृति उसे आज भी इस अस्त्र से वंचित नहीं कर रही है । वह उसे आज भी याद दिलाती है कि मनुष्य लाखों वर्ष का नखदंतावलंबी प्राणी है ।

आज बच्चों को नाखून बढ़ाने पर डाँटा जाता है । प्रकृति नाखून वृद्धि को प्रोत्साहित कर रही है और मानव उन्हें काटे जा रहा है । अंधे के नाखून यह नहीं जानतें कि मानव को उनसे भी कई गुना अधिक शक्तिशाली अस्त्र-शस्त्र मिल चुके हैं । नाखून काटना मानव की पशुता को समाप्त करने का प्रयत्न है । परंतु आदमी आज पहले से भी कहीं अधिक खूंखार पशु हो गया है । हिरोशिमा और नागासाकी पर गिरे बम इस प्रकार के गवाह हैं । लाखों बार नाखून काटने पर भी उसकी पशुता में कोई कमी नहीं आई है ।

प्राणि-शास्त्रियों का निश्चित मत है कि नाखून बढ़ाने का कारण मानव की शारीरिक अभ्यासजन्य सहज वृत्तियाँ हैं । दीर्घकाल तक उनकी आवश्यकता होने के कारण शरीर ने उन्हें स्थायी रूप से अपना लिया है, नाखून बढ़ावा मानव के पशुत्व का प्रमाण है । उन्हें काटने की प्रवृत्ति उसकी मनुष्यता की निशानी है ।

इसी प्रकार नित्य नए हथियारों की खोज एवं अविष्कार मानव की पशुत्व के द्योतक हैं । मानव आज सभ्य हो रहा है या पशुवृत्तियों को बढ़ावा दे रहा है । हम इंडिपेंडेंस को अधीनता न कहकर स्वाधीनता या अन्य पर्यायवाची शब्दों का इस्तेमाल करते हैं जो उसके सही अर्थ से अधिक हमने स्वीकारा है । देश की आजादी के बाद हमारी समस्याएँ बढ़ गई हैं। पर हम उनके समाधान के लिए प्रयत्नशील हैं, वास्तव में नवीनता के आग्रह में प्राचीनता के गुणों को अनदेखा करना बुध्दिमानी नहीं है ।

भारत में अनेक जातियाँ आईं, झगड़ी और प्रेमपूर्वक रहने लगीं क्योंकि उन्होंने आसान आदर्श खोज निकाले और एक-दूसरे को मिलाया । यही भारतीय जीवन की विशेषता एवं मानव और पशु में अंतर स्पष्ट होना है । मानव झगड़े-झंटे को आदर्श नहीं मानता । मानव द्वारा आत्मा निर्मित बंधन है प्रेम, सत्य, अहिंसा आदि । ये विश्वजनित हैं । अज्ञान आदमी को सर्वत्र पछाड़ता है और आदमी कदम-कदम पर उससे लोहा लेने

को आतुर है । गाँधीजी ने मानवीय गुणों के विकास पर बल दिया । पशुता (अज्ञान) ने उनको गोली मार दी ।

प्राणिशास्त्रियों का मत है कि जैसे मानव में पूछ आदि अनावश्यक अंग झड़ गए हैं वैसे ही नाखून भी झड़ जाएँगे । शायद तब उसकी पशुता भी नष्ट हो जायेगी । अपने बच्चों को इस तथ्य से भी अवगत करा देना चाहिए ताकि वे मानवीय गुणों को अपनाये । मानव अपनी शक्ति बाहूल्य से प्राप्त उपलब्धियों को सफलता कहता है परंतु मानव की चरितार्थता शक्ति प्रदत्त उपलब्धियों में नहीं, प्रेम में है । नाखून बढ़ते जाते हैं और मनुष्य उन्हें काटता जाता है, पशुता को दबने में उसकी पूर्ण शक्ति लगी है ।

प्रश्न :

(क) प्रकृति मनुष्य को क्या बात याद दिलाती है ? **[2]**

(ख) नाखूनों के बारे में लेखक क्या कहता है ? **[2]**

(ग) नाखून काटना किस बात का प्रतीक है । **[2]**

(घ) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिए । **[1]**

(ङ) नाखून के बारे में प्राणिशास्त्रियों का क्या मत है ? **[1]**

Q.2. निम्नलिखित अपठित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। [7]

जब भी,
भूख से लड़ने
कोई खड़ा हो जाता है
सुंदर दीखने लगता है ।
झपटता बाज,
फन उठाए साँप
दो पैरों पर खड़ी
काँटों से नन्हीं पत्तियाँ खाती बकरी,
दबे पाँव झाड़ियों में चलता चीता,
डाल पर उलटा लटक
फल कुतरता तोता
या इन सब की जगह
आदमी होता ।
जब भी
भूख से लड़ने
कोई खड़ा हो जाता है
सुंदर दीखने लगता हैं ।

प्रश्न :

(क) झपटते बाज और फन उठाए साँप में कवि को सौंदर्य क्यों नजर आता है ? **[2]**

(ख) कवि ने विभिन्न पशु-पक्षियों को किन मुद्राओं में दिखाया है और क्यों ? **[2]**

(ग) इस कविता से क्या प्रेरणा मिलती है ? **[1]**

(घ) आदमी कब सुंदर दिखता है ? **[1]**

(ङ) इसका शीर्षक लिखें । **[1]**

खण्ड: 'ख'

Q.3. निर्देशानुसार उत्तर लिखिए । [1 × 3 = 3]

(क) परिश्रमी व्यक्ति अवश्य सफल होता है । (मिश्र वाक्य में बदलिए)

(ख) मैनें एक व्यक्ति देखा जो बहुत लंबा था । (मिश्रवाक्य से साधारण वाक्य)

(ग) ज्यों ही घंटी बजी छात्र अंदर चले गए । (रचना के आधार पर वाक्य भेद लिखिए)

Q.4. निम्नलिखित वाक्यों में वाच्य परिवर्तन कीजिए । [1 × 4 = 4]

(क) मैं नहीं चल सकता हूँ । (कर्तृवाच्य)

(ख) मंत्री जी दवारा उद्घाटन किया गया । (कर्तृवाच्य में)

(ग) उनके द्वारा कैप्टन की देशभक्ति का सम्मान किया गया । (कर्तृ वाच्य में बदलिए)

(घ) माँ ने अवनि को पढ़ाया । (कर्म वाच्य में बदलिए)

Q.5. रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए । [1 × 4 = 4]

(क) सूरदास श्रृंगार रस के कवि थे ।

(ख) मैं दसवीं कक्षा में पढ़ता हूँ ।

(ग) वह अचानक गिर पड़ा ।

(घ) हम देहरादून घूमने गए ।

Q.6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए । [1 × 4 = 4]

(क) श्रृंगार रस का परिचय देते हुए कुछ उदाहरण दीजिए ।

(ख) वीर रस का मूल स्थायी भाव लिखिए ।

(ग) शांत रस का अनुभव लिखिए ।

(घ) करूण रस संबंधित काव्य पंक्तियाँ लिखिए ।

खण्ड: 'ग'

Q.7. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए । [5]

बार-बार सोचते, क्या होगा उस कौम का जो अपने देश की खातिर घर-गृहस्थी-जीवन-जिंदगी सब कुछ होम देनेवालों पर भी हँसती है और अपने लिए बिकने के मौके ढूँढ़ती है । दुखी हो गए । पंद्रह दिन बाद फिर उसी कस्बे से गुजरे । कस्बे में घुसने से पहले ही खयाल आया कि कस्बे की हृदयस्थली में सुभाष की प्रतिमा अवश्य ही प्रतिष्ठापित होगी, लेकिन सुभाष की आँखों पर चश्मा नहीं होगा । ..... क्योंकि मास्टर बनाना भूल गया । .... और कैप्टन मर गया । सोचा, आज वहाँ रुकेंगे नहीं, पान भी नही खाएँगे। मूर्ति की तरफ देखेंगे भी नहीं, सीधे निकल जाएँगे । ड्राइवर से कह दिया, चौराहे पर रुकना नहीं, आज बहुत काम है, पान आगे कहीं खा लेंगे ।

लेकिन आदत से मजबूर आँखें चौराहा आते ही मूर्ति की तरफ उठ गईं । कुछ ऐसा देखा कि चीखे रोको ! जीप स्पीड में थी, ड्राइवर ने जोर से ब्रेक मारी रास्ता चलते लोग देखने लगे । जीप रुकते-न-रुकते हालदार साहब जीप से कूदकर तेज तेज कदमों से मूर्ति की तरफ लपके और उसके ठीक सामने जाकर अटेंशन में खड़े हो गए ।

मूर्ति की आखों पर सरकंडे से बना छोटा-सा चश्मा रखा हुआ था, जैसा बच्चे बना लेते हैं । हालदार साहब भावुक हैं । इतनी-सी बात पर उनकी आँखें भर आईं ।

प्रश्न :

(क) इस बार हालदार साहब ने कस्बे में न रुकने का फैसला क्यों किया ? **[2]**

(ख) हालदार साहब ने अपने ड्राइवर को क्या आदेश दिया और क्यों ? **[2]**

(ग) राह चलते लोग किस कारण हालदार साहब को देखने लगे ? **[1]**

Q.8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए । [2 × 4 = 8]

(क) सेनानी न होते हुए भी चश्मेवाले को लोग कैप्टन क्यों कहते थे ? **[2]**

(ख) भगत की पुत्रवधू उन्हें अकेले क्यों नहीं छोड़ना चाहती थी? **[2]**

(ग) पाठ के आधार पर बालगोबिन भगत के मधुर गायन की विशेषताएँ लिखिए । **[2]**

(घ) बिना विचार, घटना और पात्रों के भी क्या कहानी लिखी जा सकती है । यशपाल के इस विचार से आप कहाँ तक सहमत हैं ? **[2]**

Q.9. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए । [5]

हरि हैं राजनीति पढ़ि आए ।
समुझी बात कहत मधुकर के, समाचार सब पाए ।
इक अति चतुर हुते पहिलैं ही, अब गुरु ग्रंथ पढ़ाए ।
बढ़ी बुद्धि जानी जो उनकी, जोग-सँदेस पठाए ।
ऊधौ भले लोग आगे के, पर हित डोलत धाए ।
अब अपने मन फेर पाइहैं, चलत जु हुते चुराए ।
ते क्यौं अनीति करैं आपुन, जे और अनीति छुड़ाए ।
राज धरम तौ यहै 'सूर', जो प्रजा न जाहिं सताए ।।

प्रश्न :

(क) 'ते क्यौं अनीति करैं, आपुन, जे और अनीति छुड़ाए' - में निहित व्यंग को स्पष्ट कीजिए । **[2]**

(ख) प्राचीन राजाओं को भला बताकर गोपियाँ क्या बताना चाहती हैं ? **[2]**

(ग) गोपियों को ऐसा क्यों लगता है कि वे अब अपना मन वापस पा सकती हैं ? **[1]**

Q.10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए । [2 × 4 = 8]

(क) उद्धव के व्यवहार की तुलना किस - किस से की गई है ? **[2]**

(ख) परशुराम के क्रोध करने पर लक्ष्मण ने धनुष के टूट जाने के लिए कौन- कौन से तर्क दिए ? **[2]**

(ग) कवि आत्मकथा लिखने से क्यों बचना चाहता है ? **[2]**

(घ) आत्मकथा सुनाने के सन्दर्भ में 'अभी समय भी नहीं' कवि ऐसा क्यों कहता है ? **[2]**

Q.11. सरकारी तंत्र में जॉर्ज पंचम की नाक लगाने को लेकर जा चिंता या बदहवासी दिखाई देती है वह उसकी किस मानसिकता को दर्शाती है ? **[4]**

अथवा

भोलानाथ और उसके साथियों के खेल और खेलने की सामग्री आपके खेल और खेलने की सामग्री से किस प्रकार भिन्न है ?

खण्ड: 'घ'

Q.12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 200 - 250 शब्दों में निबंध लिखिए । [10]

(क) **भारतीय गाँव और महानगर**

भारतीय गाँवों और महानगरों की तुलना कीजिए । दोनों के सुख–दुख की चर्चा करते हुए एक निबंध लिखिए ।

विचार-बिंदु – • नगर और गाँव की तुलना • गाँवों के सुख • गाँवों के दुख • महानगरों के सुख महानगरों के दुख • प्रदुषण • निष्कर्ष ।

(ख) **पर्यावरण : वन और हमारा पर्यावरण**

वनों का पर्यावरण से गहरा संबंध है । आज के बढ़ते पर्यावरण-प्रदूषण में वन ही शोधक उपाय हो सकते हैं । वन-संरक्षण की आवश्यकता बताते हुए एक निबंध लिखिए ।

विचार-बिंदु – • वन और पर्यावरण • प्रदूषण-निवारण में सहायक • वनों की अन्य उपयोगिता • वन-संरक्षण की आवश्यकता ।

(ग) **पर्वतीय सौंदर्य**

सृष्टि में पर्वतों का अपना महत्त्व है । ये प्राकृतिक पर्यावरण और वनों के भंडार तो हैं ही, ये सौंदर्य के पुंज भी हैं । मानव सदा से पर्वतों की गोद में खिंचा आता रहा है । इनके संरक्षण की आवश्यकता पर बल देते हुए एक निबंध लिखिए ।

विचार-बिंदु – • महत्त्व • मानव-प्रेम • संरक्षण के प्रति जनता का कर्तव्य ।

Q.13. आपने हिंदी बुक सेंटर, इंदौर से कुछ पुस्तकें मँगवाई थीं । वे फटी हुई है । इसकी शिकायत करते हुए
पुस्तक वापस करने की सूचना दीजिए । **[5]**

अथवा

समाचार पत्र के संपादक को पत्र लिखकर अपने मुहल्ले में लाउडस्पीकरों के शोर के कष्ट का वर्णन कीजिए ।

Q.14. मोबाइल का नया शोरूम खुला है– 'मोहन मोबाइल्स' नाम से । सभी प्रकार के मोबाइल्स की खरीद के लिए
ग्राहकों को सूचना देते हुए विज्ञापन तैयार कीजिए । **[5]**

अथवा

एक नई स्कूटी, जिसकी तेल-खपत 80 किलोमीटर प्रति लीटर है– आस्था स्कूटी । इसका विज्ञापन तैयार कीजिए। कंपनी का पता है– 300, इंडस्ट्रियल स्टेट, पंजाब।

All the Best